आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 142 | उज्जैन, मंगलवार 15 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

विक्रमोत्सव भारत के उत्कर्ष और नव जागरण का अभियान-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विक्रमोत्सव भारत के उत्कर्ष और नव जागरण का ऐसा अभियान है, जो अब नहीं रुकेगा। विक्रमोत्सव ने भारत की सांस्कृतिक चेतना, ऐतिहासिक गौरव और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के अभियान ने एक नई ऊर्जा और उत्साह के साथ जनमानस में स्थान बनाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश विरासत से विकास की थीम के अंतर्गत 14 जनवरी 2025 (संक्रांति) से गीता जयंती तक पूरे प्रदेश में श्रीकृष्ण पाथेय और सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न पहलुओं को जन-जन से जोड़ा गया है। इस संकल्पना के केंद्र में हैं उज्जयिनी के सार्वभौम

सम्राट विक्रमादित्य, जिन्होंने 57 ईसा पूर्व शकों को पराजित कर विक्रम सम्वत् की स्थापना की थी।

विक्रम सम्वत् पंचाग मात्र नहीं, भारतीय आत्मा, अस्मिता और गौरव का प्रतीक विक्रम सम्वत् मात्र एक पंचांग या नववर्ष नहीं, बल्कि यह भारतीय आत्मा, अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल को रामराज्य के बाद सुशासन, धर्म, न्याय और संस्कृति का स्वर्ण युग माना जाता है। उनके नौ रत्नों- कालिदास, वराहमिहिर, धन्वंतरि, अमरसिंह आदि ने साहित्य, ज्योतिष, आयुर्वेद और सुरक्षा नीति में अद्वितीय योगदान दिया। उनके समय में भारत की सीमाएँ ईरान, तुर्किस्तान, सुमेर, मिस्र तक विस्तृत थीं।

विक्रमोत्सव 2025-अनेकता में एकता का विराट महोत्सव

वर्ष 2025 का विक्रमोत्सव एशिया का सबसे बड़ा धार्मिक उत्सव और अब विश्व का सबसे दीर्घकालीन एवं बहुआयामी उत्सव बन गया है। इसके प्रथम चरण में 250 से अधिक सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, धार्मिक और साहित्यिक गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिनमें कलश यात्रा, विक्रम व्यापार मेला, नाट्य समारोह, विज्ञान समागम, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, कवि सम्मेलन, ड्रोन शो और श्रेया घोषाल, हंसराज रघुवंशी और आनंदन शिवमणि जैसे कलाकारों की प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं।

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य - भारत के प्राचीन गौरव की गाथा

सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित भव्य महानाट्य की प्रस्तुतियाँ उज्जैन, इंदौर, भोपाल, हैदराबाद, प्रयागराज, अयोध्या सहित अनेक नगरों में हो चुकी हैं।

गुजरात ATS और कोस्ट गार्ड को बड़ी कामयाबी, अरब सागर में पकड़ी गई 1800 करोड़ की 300 किलो ड्रग्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। अवैध ड्रग्स तस्करी के खिलाफ गुजरात ATS और भारतीय कोस्ट गार्ड को बड़ी कामयाबी मिली है। दोनों ने साझा ऑपरेशन के तहत 300 किलोग्राम ड्रग्स बरामद की है, जिसकी कीमत 1800 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ड्रग तस्कर अरब सागर के रास्ते इसे भारत ला रहे थे। हालांकि गुजरात ATS और कोस्ट गार्ड से सामना होते ही उन्होंने ड्रग्स को समुद्र में फेंक दिया और मौके से भाग खड़े हुए।

यह मामला 12-13 अप्रैल रात की है। भारतीय कोस्ट गार्ड ने खुद फोटो शेयर करते हुए इस ऑपरेशन की जानकारी दी है। इस तस्वीर में बरामद की गई ड्रग की खेप भी देखी जा सकती है।

गुजरात ATS को मिली खुफिया जानकारी

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह ड्रग मेथामफेटामिन हो सकती है। गुजरात ATS इसकी जांच कर रही है। दरअसल गुजरात ATS को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास ड्रग तस्करी की खुफिया जानकारी मिली थी। ATS ने फौरन इसकी सूचना भारतीय कोस्ट गार्ड को दी। दोनों ने साझा ऑपरेशन के तहत IMBL के पास गश्त लगानी शुरू की। इस दौरान उन्हें एक संदिग्ध नाव मिली।

क्या राजनीति में होगी रॉबर्ट वाड्रा की एंट्री? खुद बोले- अगर कांग्रेस पार्टी चाहे तो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सासंद प्रियंका गांधी के पति और जाने-माने बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा सियासत की पिच पर एंट्री करने की तैयारी कर रहे हैं। रॉबर्ट वाड्रा का कहना है कि अगर कांग्रेस पार्टी चाहेगी तो परिवार का आशीर्वाद लेकर वो राजनीति में आ सकते हैं। रॉबर्ट वाड्रा के इस बयान पर कांग्रेस पार्टी की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

रॉबर्ट वाड्रा ने क्या कहा- रॉबर्ट वाड्रा ने हाल ही में समाचार एजेंसी हेड्ड से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने राजनीति में आने की इच्छा जताई है। रॉबर्ट वाड्रा का कहना है कि गांधी परिवार से जुड़ाव के कारण उनका राजनीति से पुराना रिश्ता रहा है। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि बीते कुछ सालों में कई राजनीतिक पार्टियों ने उन्हें राजनीति में घसीटने की कोशिश की। खासकर चुनाव के समय उनके नाम का इस्तेमाल किया गया। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने हमेशा सियासत से दूरी बनाकर रखी।

गाना सुनते ही नाक से बहने लगा खून और फिर... नासिक में युवक की रहस्यमयी मौत से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में एक युवक की रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई। मौत की वजह गाने की तेज आवाज को बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक ट्यूबरक्लोसिस से ग्रसित, जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई। तो आइए जानते हैं कि आखिर पूरा मामला क्या है?

नितिन के नाक से बहने लगा खून- मृतक का नाम नितिन फकीरा रणशिंगे है। बीती रात अचानक से नितिन की तबीयत खराब हुई और उसकी मौत हो गई। दरअसल नासिक के फुले नगर इलाके में अंबेडकर जयंती का पर्व मनाया जा रहा था। इस दौरान तीन मूर्तियों के पास डीजे बज रहा था। गाने की आवाज सुनकर अचानक नितिन असहज महसूस करने लगा और उसकी नाक से खून बहने लगा।

डॉक्टर्स ने घोषित किया मृत- डीजे के पास खड़ा नितिन अचानक से बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। नितिन को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों की मानें तो डीजे की आवाज सुनकर नितिन की नाक से खून बहने लगा था। मगर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुछ और ही निकलकर सामने आया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आई वजह- नितिन की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट की मानें तो नितिन पिछले काफी समय से ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) से पीड़ित था। उसकी मौत की वजह भी टीबी की बीमारी बताई जा रही है।

पवन कल्याण की पत्नी ने पूरा किया मन्नत, तिरुमला मंदिर में करवाया मुंडन संस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की पत्नी अन्ना कोनीदेला ने रविवार को तिरुमला मंदिर में मुंडन करवा कर अपनी मन्नत पूरी की। यह मन्नत उन्होंने उस समय मांगी थी जब उनके बेटे मार्क शंकर एक दुर्घटना के शिकार हो गए थे।

मार्क शंकर हाल ही में सिंगापुर के एक समर कैंप में भाग लेते समय आग लगने की दुर्घटना में घायल हो गए थे। यह हादसा 8 अप्रैल को हुआ, जिसमें उन्हें हाथ और पैरों में जलन के साथ-साथ धुएं के कारण सांस संबंधी दिक्कतें भी हुईं।

मंदिर में आस्था जताते हुए अर्पित किए बाल- अन्ना कोनीदेला ने तिरुमला मंदिर स्थित पद्मावती कल्याण कट्टा में अपने बाल अर्पित किए और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। जनसेना पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि अन्ना ने यह मन्नत की थी कि अगर उनके बेटे की जान बच गई तो वे भगवान वेंकटेश्वर को अपने बाल अर्पित करेंगी।

प्रेस रिलीज़ में आगे बताया गया कि पूजा में भाग लेने से पहले, अन्ना कोनीदेला ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के नियमों के तहत गायत्री सदन में मंदिर अधिकारियों की मौजूदगी में एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने इस पत्र में भगवान वेंकटेश्वर में अपनी आस्था व्यक्त की। गौरतलब है कि अन्ना कोनीदेला रूसी मूल की हैं और रूसी ऑर्थोडॉक्स क्रिश्चियन धर्म से ताल्लुक रखती हैं।

कर्नाटक जाति जनगणना रिपोर्ट पर नहीं होगा जल्दबाजी में फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार सामाजिक आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट (जाति जनगणना) के सिलसिले में जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगी। इस रिपोर्ट को हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश किया गया था। शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल जाति जनगणना का अध्ययन करेगा और तथ्यों के आधार पर सभी के साथ न्याय किया जाएगा। उन्होंने रिपोर्ट के खिलाफ दिए जा रहे बयानों को राजनीतिक करार दिया।

वक्फ कानून के बाद देश में आएगा UCC? पीएम मोदी ने दिया संकेत; कांग्रेस को खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज हरियाणा के हिसार के दौरे पर रहे। यहां पर पीएम मोदी ने हिसार हवाई अड्डे से अयोध्या हवाई अड्डे के लिए पहली सीधी विमान सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसके अलावा पीएम ने हिसार हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल और कई अन्य विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां पर एक जनसभा को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वक्फ कानून पर अपनी बातों को रखते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और वक्फ अधिनियम का विरोध करने वालों को करारा जवाब दिया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने यूसीसी को लेकर भी बात की। जिसके बाद चर्चा की जाने लगी कि क्या देश में वक्फ के बाद यूसीसी लाने की तैयारी है?

जानिए क्या बोले पीएम मोदी- हिसार में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान को सत्ता पाने का हथियार बना लिया। जब भी उन्हें लगा कि सत्ता उनके हाथ से फिसल रही है, तो उन्होंने संविधान को रौंद डाला, जैसा कि उन्होंने आपातकाल के दौरान किया था। संविधान की भावना स्पष्ट रूप से कहती है कि सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता होनी चाहिए, जिसे मैं धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता कहता हूं। लेकिन कांग्रेस ने इसे कभी लागू नहीं किया। उत्तराखंड में हमने धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता लागू की है, लेकिन कांग्रेस इसका विरोध करती रहती है।

कांग्रेस ने फैलाया वोटबैंक की राजनीति का वायरस- हिसार में जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस संविधान को नष्ट करने वाली पार्टी बन गई है। डॉ. बीआर अंबेडकर समानता लाना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति का वायरस फैलाया। बाबा साहब चाहते थे कि हर गरीब, हर पिछड़ा सम्मान के साथ और सिर ऊंचा करके जी सके, सपने देख सके और उन्हें पूरा कर सके।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में एससी, एसटी ओबीसी के लिए बैंक के दरवाजे भी नहीं खुलते थे; लोन, कल्याण सब कुछ सिर्फ सपना था, लेकिन अब जनधन खातों के सबसे बड़े लाभार्थी एससी, एसटी भाई-बहन हैं।

आइए और देखिए क्या हाल हो गया हमारा..., पुतिन के हमले से परेशान जेलेंस्की ने ट्रंप को यूक्रेन आने का दिया न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। दोनों देशों में शांति स्थापित कराने के लिए अमेरिका समेत कई देश लगातार प्रयास कर रहे हैं। जहां एक और शांति वार्ता की कोशिश की जा रही है। तो दूसरी तरफ दोनों देश एक दूसरे पर हमले करने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

हाल में ही रूस ने यूक्रेन के सूमी शहर पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला बोला। इस घटना में 34 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई थी। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेंलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूक्रेन आने और युद्धग्रस्त इलाकों का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने ट्रंप को दिया निमंत्रण- जानकारी के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की चाहते हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति एक बार यूक्रेन का दौरा करें। निमंत्रण देने के पीछे की वजह है कि जेलेंस्की ट्रंप को दिखाना चाहते हैं इस युद्ध से यूक्रेन का क्या हाल हो गया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने डोनाल्ड ट्रंप से आग्रह किया वह किसी भी फैसले पर पहुंचने से पहले एक बार यूक्रेन का दौरा करें और वहां की वास्तविक स्थिति को देखें।

अस्पतालों और चर्चों का दौरा करें ट्रंप- बता दें कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने से पहले और किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले एक बार यूक्रेन आना चाहिए और यहां के अस्पतालों, चर्चों, आम नागरिकों और योद्धाओं से मिलना चाहिए।

रूस ने यूक्रेन पर किया मिसाइल से हमला- ध्यान देने वाली बात है कि रूस ने रविवार को यूक्रेन के सूमी शहर पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला बोला। इस हमले में 34 लोगों की जान गई है। इसके अलावा इस हमले में 100 से अधिक लोगों के घायल होने की भी खबर सामने आई है।

कौन है डेनियल नोबोआ, जिन्हें चुना गया इक्वाडोर का राष्ट्रपति; 55 फीसदी वोट के साथ हासिल की जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इक्वाडोर में राष्ट्रपति पद को लेकर चुनाव हुए। इस दौरान इक्वाडोर की राष्ट्रीय निर्वाचन परिषद ने रविवार को राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ को देश के राष्ट्रपति पद की दौड़ का विजेता घोषित कर दिया, क्योंकि मतगणना के दौरान उन्होंने वामपंथी लुइसा गोंजालेज पर लगातार और अप्रत्याशित रूप से 12 अंकों की बढ़त बनाए रखी।

रूढ़िवादी करोड़पति का अपराध के खिलाफ जंग छेड़ने का रिकॉर्ड बेमिसाल रहा है। कानून व्यवस्था को लेकर उनके बेबाक फैसले की वजह से इक्वाडोर ने उन्हें सर्वोच्च पद के लिए एक बार फिर से चुना है।

नतीजों को नहीं करेंगे स्वीकार- गोंजालेज ने नारे लगाने वाले समर्थकों से कहा कि वह नतीजों को स्वीकार नहीं करती हैं और पुनर्मतगणना की मांग करेंगी, उन्होंने इसे इक्वाडोर के इतिहास में सबसे खराब और सबसे भयावह चुनावी धोखाधड़ी कहा। लगभग 93त्न मतपेटियों की गिनती के साथ, नोबोआ को 55.8% वोट मिले, जबकि गोंजालेज को 44.1त्न वोट मिले, जो एक मिलियन से अधिक वोटों का अंतर है।

फरवरी में भी हुए थे चुनाव - ये परिणाम फरवरी के पहले दौर के विपरीत थे, जहां नोबोआ गोंजालेज से केवल 16,746 वोट आगे रहे थे। राष्ट्रीय चुनाव परिषद की प्रमुख डायना अतामेंट ने प्रेस को दिए एक बयान में कहा, हम इक्वाडोर के लोगों को सूचित करते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर 90% से अधिक मतपेटियों के संसाधित होने के साथ मतदान के दूसरे दौर में एक अपरिवर्तनीय प्रवृत्ति है।

DNA Lab की गलती ने छीनी मां बनने की खुशी, बच्चे के पिता का नाम बताया गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित यॉनकर्स शहर की 28 वर्षीय महिला ने दो डीएनए लैब्स पर मुकदमा दायर किया है। महिला का आरोप है कि पितृत्व जांच में हुई गंभीर गलती के कारण उसने गर्भपात करवा लिया, जिससे उसकी जिंदगी बर्बाद हो गई। इस हादसे के चलते उसका लंबे समय से चला आ रहा रिश्ता भी टूट गया।

'न्यू यॉर्क पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने दावा किया है कि ब्रॉन्क्स स्थित विन हेल्थ लैब्स और ओहायो की डीएनए डायग्नोस्टिक्स सेंटर की गलत रिपोर्टों ने उसे गहरे भ्रम में डाल दिया। रिपोर्ट्स में यह सामने आया कि गर्भ में पल रहा बच्चा उसके मंगेतर का नहीं है, जिससे टूटकर उसने गर्भपात का फैसला किया।

महिला ने भावुक होकर कहा, मेरी बेटी 17 अप्रैल को जन्म लेती। मैं आज भी उस गलती का दुख सह रही हूं। मेरे भीतर बहुत सारे भाव हैं जो इन रिपोर्ट्स के कारण जन्मे।÷

एक गलती, जिसने सब कुछ बदल दिया - महिला और उसके मंगेतर पिछले कुछ समय से बच्चा पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि बीते साल कुछ तनावों के चलते दोनों कुछ वक्त के लिए अलग हो गए थे। इस दौरान महिला ने एक बार के लिए किसी अन्य पुरुष से सुरक्षित शारीरिक संबंध बनाए।

किसी को भी इजरायल जाने की इजाजत नहीं, बांग्लादेश का बड़ा फैसला; यात्रा पर लगाया बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों को लेकर बांग्लादेश के नागरिकों में रोष है। इस बीच इजरायली हमलों के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश को देखते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है।

दरअसल, बांग्लादेश ने अपने नागरिकों को यहूदी राज्य की यात्रा करने से रोकने के लिए पासपोर्ट पर इजरायल को छोड़कर शिलालेख फिर से शुरू किया है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने पासपोर्ट और आव्रजन विभाग को निर्देश जारी कर विदेश जाने वाले नागरिकों के आधिकारिक यात्रा परमिट में यह पासपोर्ट इजरायल को छोड़कर दुनिया के सभी देशों के लिए वैध है वाक्य को फिर से शामिल करने को कहा है।

शेख हसीना की सरकार किया था बदलाव- जानकारी दें कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के दौरान 2021 में बांग्लादेश के पासपोर्ट पर %इजरायल को छोड़कर सभी देशों% वाक्यांश को हटा दिया गया था। उस दौरान अधिकारियों ने कहा था कि दस्तावेज के अंतर्राष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने के लिए इसे पासपोर्ट से हटा दिया गया था।

गाजा के अस्पताल पर इजरायल का मिसाइल हमला, 21 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने रविवार को गाजा के अल-अहली अस्पताल पर मिसाइल हमला किया। इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है लेकिन अस्पताल के भवन को भारी क्षति हुई है।

इजरायल ने कहा है कि हमास के आतंकी इस अस्पताल से अपनी गतिविधियां संचालित कर रहे थे इसलिए उस पर हमला किया गया। गाजा के अन्य इलाकों में हुए ताजा हमलों में 21 लोग मारे गए हैं।

ईसाई समुदाय करता है संचालन- बताया गया है कि हमले से कुछ मिनट पहले इजरायली सेना ने मरीजों और चिकित्सा से जुड़े लोगों को अस्पताल खाली करने के लिए कहा, इसके बाद अस्पताल भवन से दो मिसाइलें टकराईं। इस हमले से अस्पताल का आपात चिकित्सा विभाग, आगंतुक कक्ष नष्ट हो गए हैं और अन्य हिस्सों को भी नुकसान हुआ है।

इस अस्पताल को गाजा का ईसाई समुदाय संचालित करता है। अस्पताल के प्रवक्ता ने कहा है कि सैकड़ों मरीजों और अन्य लोगों को आधी रात में अस्पताल छोड़ना पड़ा, अब वे लोग सड़कों पर हैं। कई मरीजों की जान को खतरा पैदा हो गया है। इस अस्पताल पर इजरायली सेना 2023 में भी कार्रवाई कर चुकी है, तब उस कार्रवाई में कई लोग मारे गए थे।

लेकिन इस बार वहां मौजूद लोगों को परिसर खाली करने का समय दिया गया। यह हमला तब हुआ है जब काहिरा में मिस्त्र, कतर और अमेरिका की मध्यस्थता में दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम के लिए वार्ता का नया दौर शुरू हुआ है।

ईरान में 8 पाकिस्तानियों की हत्या; पाकिस्तान ने कहा- हम जांच में जुटे हैं, वजह का खुलासा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में आठ पाकिस्तानियों की हत्या से इस्लामाबाद तक हड़कंप मच गया। पाकिस्तानी सरकार ने एक बयान जारी करके कहा कि दक्षिण-पूर्वी ईरान में आठ पाकिस्तानियों की बेरहमी से कत्ल किया गया है। मृतकों की पहचान अभी नहीं हुई है। सभी लोग सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के मेहरस्तान में मारे गए। यह इलाका पाकिस्तान सीमा से सटा है।

सभी के शवों को भेजा जा रहा

पाकिस्तान ने अपने बयान में कहा कि तेहरान में स्थित पाकिस्तानी दूतावास व जाहिदान में वाणिज्य दूतावास ईरानी अधिकारियों के साथ मिलकर हत्याओं की जांच में जुटे हैं। सभी के शवों को वापस भेजा जा रहा है।

हत्या की वजह का खुलासा नहीं- अभी मृतकों की पहचान उजागर नहीं हुई है। उनकी हत्या की वजह का भी खुलासा नहीं हुआ है। पाकिस्तान ने कहा कि जानकारी मिलने पर इसे साझा किया जाएगा। पिछले साल भी ऐसा ही मामला सामने आया था। तब ईरान ने कहा था कि उसने पाकिस्तान में जैश अल अदल समूह के आतंकवादियों पर हमला किया है।

जवाब में पाकिस्तान ने कहा था कि उसने ईरान में अलगाववादी बलूच लिबरेशन फ्रंट और बलूच लिबरेशन आर्मी के ठिकानों पर हमला किया। यह सभी आतंकी समूह पाकिस्तान के बलूचिस्तान और ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में सक्रिय हैं।

टैरिफ पर ट्रंप ने लिया यू-टर्न; चीन बोला- बाघ के गर्दन में लगी घंटी... वही खोल सकता, जिसने बांधा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यू-टर्न लिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश को अनुचित व्यापार संतुलन में छूट नहीं दी गई। शुक्रवार को कोई टैरिफ छूट का एलान नहीं किया। ट्रंप का बयान अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग के एलान के बाद आया है, जिसमें विभाग ने कहा था कि स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स को पारस्परिक टैरिफ से छूट दी गई है।

चीन को नहीं दी गई छूट- ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि हमारे खिलाफ अनुचित व्यापार संतुलन और गैर-मौद्रिक टैरिफ बाधाओं के मामले में किसी भी देश को छूट नहीं दी गई है। खासकर चीन को तो नहीं, जो हमारे साथ अब तक सबसे बुरा व्यवहार करता रहा है। ट्रंप ने आगे कहा कि शुक्रवार को कोई टैरिफ छूट घोषित नहीं की गई।

ये उत्पाद मौजूदा 20% फेंटेनाइल टैरिफ के अधीन होंगे। इन्हें अलग टैरिफ बकेट में रखा जाएगा। फेक न्यूज को यह पता है। मगर वे इसे रिपोर्ट करने से इनकार करते हैं। हम आगामी राष्ट्रीय सुरक्षा टैरिफ जांच में सेमीकंडक्टर और संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला पर नजर रख रहे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद पर अलग से लगेगा टैरिफ- व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार स्टीफन मिलर ने एक्स पर लिखा कि ये सभी उत्पाद चीन पर लगे मूल 20 प्रतिशत टैरिफ के अधीन हैं।

मेहुल चौकसी ही नहीं, इन भगोड़ों पर भी जांच एजेसी की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हीरा व्यापारी और गीतांजलि समूह के मालिक पर अपने भतीजे नीरव मोदी, उसकी पत्नी अमी मोदी और भाई नीशाल मोदी के साथ सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक से करीब 13,500 करोड़ रुपये के गबन का आरोप है।

उसे 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में उसे हिरासत में रखा गया है। बेल्जियम का कहना है कि भारत ने उसके प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध भी किया है।

हालांकि, भगोड़े कारोबारी की फेहरिस्त लंबी है। मेहुल चोकसी के अलावा जांच एजेंसियों से इन कारोबारियों के प्रत्यर्पण का इंतजार भी है।

नीरव मोदी - पंजाब नेशनल बैंक में हुए घोटाले में हीरा व्यापारी नीरव मोदी भी आरोपी है। साल 2018 में वो भारत छोड़कर भाग गया था। नीरव मोदी को 19 मार्च, 2019 को लंदन में होबर्न के मेट्रो बैंक ब्रांच से गिरफ्तार किया गया था। उसे भारतीय अधिकारियों द्वारा दायर प्रत्यर्पण वारंट पर मार्च 2019 में गिरफ्तारी के बाद से हिरासत में रखा गया है।

नीरव मोदी पर पीएनबी से 13,850 करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी करने का आरोप है और उसे बार-बार जमानत देने से इनकार किया गया है, हाल ही में मई 2024 में सातवीं बार जमानत देने से इनकार किया गया था।

विजय माल्या- किंगफिशर कंपनी का मालिक विजय माल्या भारतीय बैंकों के 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कर्जदार हैं।

दो साल में इतने लाख करोड़ का हाईवे बनाएगी केंद्र सरकार, गडकरी बोले- अमेरिका की तरह बन जाएंगी नॉर्थ ईस्ट की सड़कें

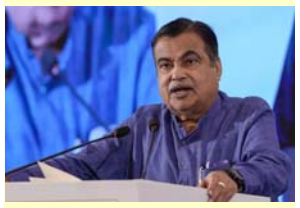

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देशभर में हाईवे को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और वहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान बनाई जाएंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। गडकरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि केंद्र का उद्देश्य देश के बुनियादी ढांचे को विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप बनाना है।

पूर्वी राज्यों में 784 हाईवे परियोजनाएं होंगी चालू - उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर में सड़क बुनियादी ढांचे को सुधारने की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि यह क्षेत्र भौगोलिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राज्यों में 784 हाईवे परियोजनाएं चालू की जाएंगी, जिनकी अनुमानित लागत 3,73,484 करोड़ रुपये है। गडकरी ने यह भी बताया कि असम में 57,696 करोड़ रुपये और बिहार में लगभग 90,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। इसके अलावा, नागपुर में 170 करोड़ रुपये की लागत से एक मास रैपिड ट्रांसपोर्ट पायलट परियोजना भी चल रही है।

झुंझुनू के थाने में हिरासत के दौरान शख्स की मौत, पुलिस ने चोरी के आरोप में पकड़ा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया। उस पर चोरी का आरोप था। शख्स का नाम पप्पू मीणा है। पुलिस स्टेशन में सलाखों के पीछे बंद पप्पू की अचानक मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस पप्पू की मौत की वजह पता लगाने की कोशिश कर रही है।

क्या है पूरा मामला- यह मामला झुंझुनू जिले में स्थित खेतरी पुलिस थाने का है। खेतरी पुलिस स्टेशन में कार्यरत अधिकारी गोपाल लाल ने बताया कि पप्पू मीणा की उम्र 28 साल थी। रविवार को उसके खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज हुई थी। लिहाजा पुलिस ने पप्पू को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि पप्पू को थाने लाकर पूछताछ की जा रही थी, तभी अचानक से उसकी तबीयत खराब हो गई। पप्पू को उल्टियां होने लगीं और कुछ ही देर में वो बेहोश हो गया। पप्पू को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कस्टडियल डेथ का मामला- वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस मामले पर बात करते हुए कहा कि पप्पू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। यह कस्टडियल डेथ यानी पुलिस की हिरासत में मौत का मामला है।

तेज आंधी-बारिश से यूपी में फसलें बर्बाद, खेतों में जलभराव, कई राज्यों में बढ़ेगा पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम ने बीते 24 घंटे में फिर करवट ली। आंधी-बारिश ने एक बार फिर किसानों की मुसीबत बढ़ा दी, खासकर उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में ऐसा हुआ है। प्रदेश में वज्रपात से एक व्यक्ति की जान चली गई है।

मौसम विभाग के अनुसार 14 और 15 अप्रैल को उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड सहित कई राज्यों में वज्रपात होने के साथ ही 40-50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही बारिश होने की भी संभावना है। गुरुवार और शुक्रवार को भी आंधी के साथ बारिश से उत्तर भारत के कई राज्यों में फसलों को नुकसान पहुंचा था।

कुछ राज्यों में बढ़ेगा पारा- उधर, पश्चिमी विक्षोभ के असर से मिल रही राहत अब खत्म हो गई है। सोमवार से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व राजस्थान सहित उत्तर भारत के कुछ राज्यों में तापमान और गर्मी दोनों में वृद्धि होगी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज समेत पूर्वांचल के कई जिलों में रविवार सुबह तेज आंधी के बाद जोरदार बारिश हुई। कुछ जगहों पर ओले भी पड़े हैं।

तेज हवा, ओले गिरने और बारिश से खेतों में तैयार गेहूं की फसल और आम के टिकोरों के टूटने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। गेहूं के दाने काले होने की आशंका से किसान चिंतित हैं। आंधी से कई जगह बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे आपूर्ति प्रभावित रही। जलभराव से भी लोग परेशान रहे। मीरजापुर में वज्रपात से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सिंधोरा घाट पर निर्माणाधीन पीपा पुल का एक हिस्सा टूटकर तीन किलोमीटर दूर तक बह गया। रविवार को प्रदेश के कई जिलों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

बंगाल के बाद असम में हिंसक हुआ वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन, पुलिस पर पथराव; जवानों ने किया लाठीचार्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बाद असम के कछार जिले में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ हिंसा भड़क उठी। हालांकि मुस्तैद पुलिस जवानों ने तुरंत हालात पर काबू पाया। कछार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मगर अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस के मुताबिक विरोध प्रदर्शन में शामिल कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थरबाजी की। जवाब में पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया।

बिना अनुमति निकाली रैली- पुलिस के अनुसार रविवार को मुस्लिम समुदाय के लगभग 300-400 लोगों ने कछार जिले के बेरेंगा इलाके में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ रैली निकाली। मगर रैली की अनुमति नहीं ली गई थी। इस पर पुलिसकर्मियों ने रैली को रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव करना शुरू कर दिया। बाद में पुलिस जवानों ने लाठीचार्ज करके भीड़ को तितर-बितर किया।

कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश- कछार जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नुमाल महत्ता का कहना है कि रैली बिना अनुमति के निकाली गई थी। पंचायत चुनाव की वजह से आदर्श आचार संहिता लागू है। इस कारण रैली की अनुमति लेना जरूरी था। जब हमें सूचना मिली तो हम मौके पर पहुंचे और भीड़ को तितर-बितर किया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की। मगर समय रहते हालात को काबू कर लिया गया।

इलाके में सुरक्षाबल तैनात - जिले के एसपी ने कहा कि अगर कोई कानून तोड़ने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। स्थिति अब नियंत्रण में है। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

म्यांमार में भूकंप राहत के दौरान भारतीय वायुसेना का GPS सिस्टम हुआ था फेल, इस तरकीब से की थी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूकंप के बाद म्यांमार में पिछले महीने राहत सामग्री लेकर गए भारतीय वायुसेना के अधिकतर परिवहन विमान जीपीएस स्पूफिंग के शिकार बने थे। इससे विमानों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई थी, लिहाजा पायलटों को बैकअप सिस्टम का सहारा लेना पड़ा था।

जीपीएस स्पूफिंग दरअसल एक तरह का साइबर अटैक होता है जिसमें भ्रामक जीपीएस सिग्नल जनरेट किए जाते हैं। ये भ्रामक सिग्नल नेविगेशन उपकरणों को गुमराह करते हैं और विमान के लिए खतरा उत्पन्न कर देते हैं। जीपीएस स्पूफिंग की वजह से विमान की प्रणालियां यह मानने लगती हैं कि विमान किसी अन्य स्थान पर है क्योंकि उसे लोकेशन के गलत डाटा मिल रहे होते हैं।

जीपीएस सिग्नलों के साथ छेड़छाड़ की शिकायत

भारत ने छह विमानों से भूकंप पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी थी। इनमें सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और सी-17 ग्लोबमास्टर शामिल थे।

सूत्रों ने बताया कि 29 मार्च को जब पहली खेप लेकर सी-130जे विमान गया था तो उसके पायलट ने म्यांमार की वायुसीमा में जीपीएस सिग्नलों के साथ छेड़छाड़ की शिकायत की थी। लिहाजा पायलट ने तत्काल बैकअप सिस्टम को सक्रिय कर दिया था, जिसे इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम कहा जाता है।

भारत के दुश्मनों ने की होंगी ऐसी हरकतें- वायुसेना ने इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है। सूत्रों का कहना है कि अगर विदेशी वायुसीमा में ऐसी घटनाएं होती है तो इसकी जांच कर पाना लगभग नामुमकिन होता है।

निश्चित रूप से म्यामांर में मौजूद भारत के दुश्मनों ने ऐसी हरकतें की होंगी। छह विमानों में से पांच ने 29-30 मार्च को यंगून एवं नेपीता में लैंडिंग की थी और एक विमान ने एक अप्रैल को मांडाले में लैंड किया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
jagrayam.com
online news magazine
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण द्वतीया

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व ख़जाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है

मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व ख़जाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है। ऊपर से सोने पर सुहागा हमारे बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों सहित आध्यात्मिकता के माध्यम से कहावतों, वचनों, शब्दों का ऐसा अनमोल पंक्तियों द्वारा हमारे पास स्वर्ण रूपी संयोजित है, जिसके एक एक शब्द में मोती भरे हैं! अगर भारत का हर नागरिक इन पंक्तियों के बोध का ज्ञान अपने जीवन में अपना कर उसके अनुसार अपने जीवन को ढालें तो यह विचार, कहावतें उन पर आ रही विपत्तियों, तकलीफों, विपरीत समय में एक म ज़बूत ढाल का काम कर सकते हैं!वैसे तो अनेक पंक्तियां, शब्द, वाक्यांश हैं पर हम आज,, शिक्षक और सड़क दोनों एक एक जैसे हैं जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं,, इसपर कुछ बातों का को सांझा कर शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेंगे

साथियों बात अगर हम शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपेक्ष और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे है। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे।

साथियों बात अगर हम शिक्षक की करें तो, शिक्षक एक व्यक्ति को कुशल नागरिक बनाता है। शिक्षक वह प्रकाश है जो सभी के ज़िन्दगी में रोशनी भर देता है। शिक्षक एक मोमबत्ती रूपी ज्ञान का उजाला है जो लोगों को अँधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। शिक्षक अपने शिक्षा के ज़रिये व्यक्ति समाज और राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी शिक्षा की वजह से व्यक्ति में आत्मविश्वास का संचार होता है जिसकी वजह से वह अपने ज़िन्दगी में कुछ कर गुजरने की चाहत रखता है। शिक्षक एक खूबसूरत आईने की तरह है जिससे व्यक्ति अपने वजूद की पहचान कर पाता है। शिक्षा वह मज़बूत ताकत है जिससे हम समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जा सकते है। शिक्षक विद्यार्थिओं का मार्ग दर्शक है। ज़िन्दगी के कठिन मोड़ पर जब हम रास्ता भटक जाते है तो कोई न कोई इंसान शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। कम उम्र में बच्चे का जीवन गीली मिटटी की तरह होता है। तब शिक्षक एक कुम्हार की तरह उसे शिक्षा रूप हाथों से एक मज़बूत आकार प्रदान करता है।शिक्षक विद्यार्थिओं को आने वाले बेहतर भविष्य के लिए तैयार करते है। विद्यार्थी के मन में विषय संबंधित और जीवन संबंधित कोई भी दुविधा आये तो शिक्षक उस दुविधा को हल करने में हर मुमकिन कोशिश करता है।

शिक्षक की मेहनत की वजह से कोई डॉक्टर ,कोई इंजीनियर कोई वकील,सीए,पायलट सैनिक इत्यादि बन कर अपनी मंजिल पर पहुंच जाते है।अगर शिक्षक नहीं होंगे तो यह पद पर कोई व्यक्ति कार्यरत नहीं हो पाएंगे । शिक्षक इंसान को अच्छे और बुरे के बीच फर्क करना सिखाते है। वह अधर्म ,घृणा ,ईर्ष्या ,हिंसा इन बुरी आदतों से विद्यार्थिओं को दूर रहना सिखाते है। शिक्षक शिष्टता ,सहनशीलता ,धैर्य से जीवन के संघर्षों से पार करना सिखाते है। इसलिए हम कह सकते हैं कि शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है।

साथियों बात अगर हम सड़क की करें तो, किसी भी देश के आर्थिक विकास में यातायात एवं संचार के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। देश का कृषि, व्यापार व औद्योगिक विकास परिवहन के साधनों पर ही निर्भर करता हैं।परिवहन एक महत्वपूर्ण तृतीयक व्यवसाय हैं। आज के परिपेक्ष में बिना सड़क के मानवीय जीवन अधूरा है। इसके बिना जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, हालांकि हजारों या सैकड़ों वर्षों पहले हमारे पूर्वज उस परिस्थितियों से दो चार हुए होंगे पर अभी आधुनिक डिजिटल युग में यह संभव नहीं।

गुरु नानक

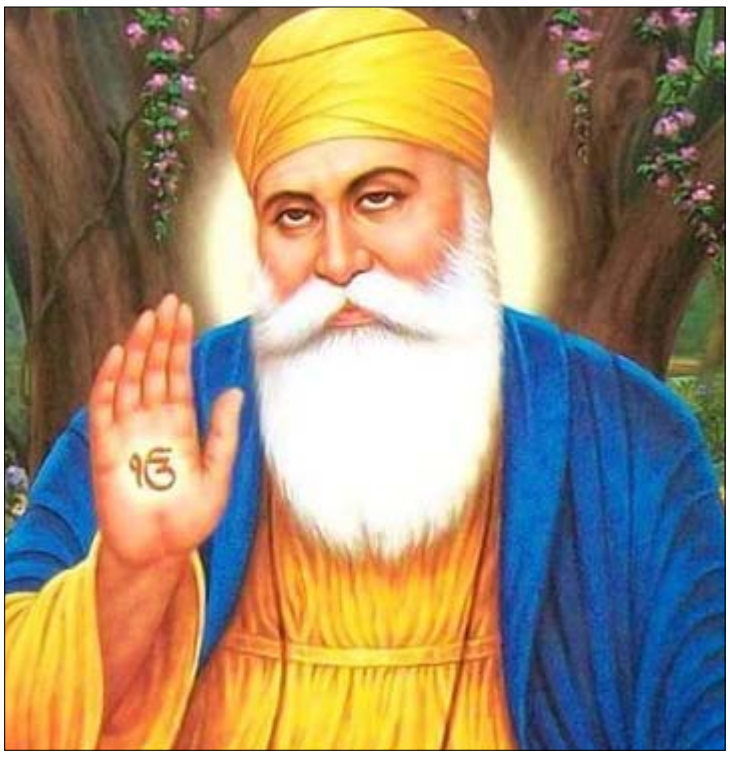

गुरु नानक सिक्खों के प्रथम गुरु (आदि गुरु) थे। इनके अनुयायी इन्हें गुरु नानक, बाबा नानक और नानकशाह नामों से संबोधित करते हैं। गुरु नानक 20 अगस्त, 1507 को सिक्खों के प्रथम गुरु बने थे। वे इस पद पर 22 सितम्बर, 1539 तक रहे।

परिचय

पंजाब के तलवंडी नामक स्थान में 15 अप्रैल, 1469 को एक किसान के घर गुरु नानक उत्पन्न हुए। यह स्थान लाहौर से 30 मील पश्चिम में स्थित है। अब यह ननकाना साहब कहलाता है। तलवंडी का नाम आगे चलकर नानक के नाम पर ननकाना पड़ गया। नानक के पिता का नाम कालू एवं माता का नाम तृप्ता था। उनके पिता खत्री जाति एवं बेदी वंश के थे। वे कृषि और साधारण व्यापार करते थे और गाँव के पटवारी भी थे। गुरु नानक देव की बाल्यावस्था गाँव में व्यतीत हुई। बाल्यावस्था से ही उनमें असाधारणता और विचित्रता थी। उनके साथी जब खेल-कूद में अपना समय व्यतीत करते तो वे नेत्र बन्द कर आत्म-चिन्तन में निमग्न हो जाते थे। इनकी इस प्रवृत्ति से उनके पिता कालू चिन्तित रहते थे।

आरंभिक जीवन

सात वर्ष की आयु में वे पढ़ने के लिए गोपाल अध्यापक के पास भेजे गये। एक दिन जब वे पढ़ाई से विरक्त हो, अन्तर्मुख होकर आत्म-चिन्तन में निमग्न थे, अध्यापक ने पूछा- पढ़ क्यों नहीं रहे हो? गुरु नानक का उत्तर था- मैं सारी विद्याएँ और वेद-शास्त्र जानता हूँ। गुरु नानक देव ने कहा- मुझे तो सांसारिक पढ़ाई की अपेक्षा परमात्मा की पढ़ाई अधिक आनन्दायिनी प्रतीत होती है, यह कहकर निम्नलिखित वाणी का उच्चारण किया- मोह को जलाकर (उसे) घिसकर स्याही बनाओ, बुद्धि को ही श्रेष्ठ काग़ज़ बनाओ, प्रेम की क़लम बनाओ और चित्त को लेखक। गुरु से पूछ कर विचारपूर्वक लिखो (कि उस परमात्मा का) न तो अन्त है और न सीमा है।[1] इस पर अध्यापक जी आश्चर्यान्वित हो गये और उन्होंने गुरु नानक को पहुँचा हुआ फ़क़ीर समझकर कहा- तुम्हारी जो इच्छा हो सो करो। इसके पश्चात् गुरु नानक ने स्कूल छोड़ दिया। वे अपना अधिकांश समय मनन, ध्यानासन, ध्यान एवं सत्संग में व्यतीत करने लगे। गुरु नानक से सम्बन्धित सभी जन्म साखियाँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि उन्होंने विभिन्न सम्प्रदायों के साधु-महत्माओं का सत्संग किया था। उनमें से बहुत से ऐसे थे, जो धर्मशास्त्र के प्रकाण्ड पण्डित थे। अन्तः साक्ष्य के आधार पर यह भलीभाँति सिद्ध हो जाता है कि गुरु नानक ने फ़ारसी का भी अध्ययन किया था। गुरु ग्रन्थ साहब में गुरु नानक द्वारा कुछ पद ऐसे रचे गये हैं, जिनमें फ़ारसी शब्दों का आधिक्य है।

बचपन

गुरु नानक की अन्तर्मुखी-प्रवृत्ति तथा विरक्ति-भावना से उनके पिता कालू चिन्तित रहा करते थे। नानक को विक्षिप्त समझकर कालू ने उन्हें भैंसे चराने का काम दिया। भैंसे चराते-चराते नानक जी सो गये। भैंसें एक किसान के खेत में चली गयीं और उन्होंने उसकी फ़सल चर डाली। किसान ने इसका उलाहना दिया किन्तु जब उसका खेत देखा गया, तो सभी आश्चर्य में पड़े गये। फ़सल का एक पौधा भी नहीं चरा गया था। 9 वर्ष की अवस्था में उनका यज्ञोपवीत संस्कार हुआ। यज्ञोपवीत के अवसर पर उन्होंने पण्डित से कहा - दया कपास हो, सन्तोष सूत हो, संयम गाँठ हो, (और) सत्य उस जनेउ की पूरन हो। यही जीव के लिए (आध्यात्मिक) जनेऊ है। ऐ पाण्डे यदि इस प्रकार का जनेऊ तुम्हारे पास हो, तो मेरे गले में पहना दो, यह जनेऊ न तो टूटता है, न इसमें मैल लगता है, न यह जलता है और न यह खोता ही है।

विवाह

सन 1485 ई. में नानक का विवाह बटाला निवासी, मूला की कन्या सुलक्खनी से हुआ। उनके वैवाहिक जीवन के सम्बन्ध में बहुत कम जानकारी है। 28 वर्ष की अवस्था में उनके बड़े पुत्र श्रीचन्द का जन्म हुआ। 31 वर्ष की अवस्था में उनके द्वितीय पुत्र लक्ष्मीदास अथवा लक्ष्मीचन्द उत्पन्न हुए। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु उनके सारे प्रयास निष्फल सिद्ध हुए। घोड़े के व्यापार के निमित्त दिये हुए रुपयों को गुरु नानक ने साधुसेवा में लगा दिया और अपने पिताजी से कहा कि यही सच्चा व्यापार है। नवम्बर, सन् 1504 ई. में उनके बहनोई जयराम (उनकी बड़ी बहिन नानकी के पति) ने गुरु नानक को अपने पास सुल्तानपुर बुला लिया। नवम्बर, 1504 ई. से अक्टूबर 1507 ई. तक वे सुल्तानपुर में ही रहें अपने बहनोई जयराम के प्रयास से वे सुल्तानपुर के गवर्नर दौलत ख़ाँ के यहाँ मादी रख लिये गये। उन्होंने अपना कार्य अत्यन्त ईमानदारी से पूरा किया। वहाँ की जनता तथा वहाँ के शासक दौलत ख़ाँ नानक के कार्य से बहुत सन्तुष्ट हुए। वे अपनी आय का अधिकांश भाग ग़रीबों और साधुओं को दे देते थे। कभी-कभी वे पूरी रात परमात्मा के भजन में व्यतीत कर देते थे। मरदाना तलवण्डी से आकर यहीं गुरु नानक का सेवक बन गया था और अन्त तक उनके साथ रहा।

गुरु नानक देव अपने पद गाते थे और मरदाना रवाब बजाता था। गुरु नानक नित्य प्रातः बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। कहते हैं कि एक दिन वे स्नान करने के पश्चात् वन में अन्तर्धान हो गये। उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा- मैं सदैव तुम्हारे साथ हूँ, मैंने तुम्हें आनन्दित किया है। जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेगें, वे भी आनन्दित होगें। जाओ नाम में रहो, दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओं। इस घटना के पश्चात् वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर मूला को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। मरदाना उनकी यात्रा में बराबर उनके साथ रहा।

यात्राएँ

गुरु नानक की पहली उदासी (विचरण यात्रा) अक्तूबर , 1507 ई. में 1515 ई. तक रही। इस यात्रा में उन्होंने हरिद्वार, अयोध्या, प्रयाग, काशी, गया, पटना, असम, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वर, सोमनाथ, द्वारिका, नर्मदातट, बीकानेर, पुष्कर तीर्थ, दिल्ली, पानीपत, कुरुक्षेत्र, मुल्तान, लाहौर आदि स्थानों में भ्रमण किया। उन्होंने बहुतों का हृदय परिवर्तन किया। ठगों को साधु बनाया, वेश्याओं का अन्तःकरण शुद्ध कर नाम का दान दिया, कर्मकाण्डियों को बाह्याडम्बरों से निकालकर रागात्मिकता भक्ति में लगाया, अहंकारियों का अहंकार दूर कर उन्हें मानवता का पाठ पढ़ाया। यात्रा से लौटकर वे दो वर्ष तक अपने माता-पिता के साथ रहे। उनकी दूसरी उदासी 1517 ई. से 1518 ई. तक यानी एक वर्ष की रही। इसमें उन्होंने ऐमनाबाद, सियालकोट, सुमेर पर्वत आदि की यात्रा की और अन्त में वे करतारपुर पहुँचे।

तीसरी उदासी 1518 ई. से 1521 ई. तक लगभग तीन वर्ष की रही। इसमें उन्होंने रियासत बहावलपुर, साधुबेला (सिन्धु), मक्का, मदीना, बग़दाद, बल्ख बुखारा, क़ाबुल, कन्धार, ऐमानाबाद आदि स्थानों की यात्रा की। 1521 ई. में ऐमराबाद पर बाबर का आक्रमण गुरु नानक ने स्वयं अपनी आँखों से देखा था। अपनी यात्राओं को समाप्त कर वे करतारपुर में बस गये और 1521 ई. से 1539 ई. तक वहीं रहे।

व्यक्तित्व

गुरुनानक का व्यक्तित्व असाधारण था। उनमें पैगम्बर, दार्शनिक, राजयोगी, गृहस्थ, त्यागी, धर्म-सुधारक, समाज-सुधारक, कवि, संगीतज्ञ, देशभक्त, विश्वबन्धु सभी के गुण उत्कृष्ट मात्रा में विद्यमान थे। उनमें विचार-शक्ति और क्रिया-शक्ति का अपूर्व सामंजस्य था। उन्होंने पूरे देश की यात्रा की। लोगों पर उनके विचारों का असाधारण प्रभाव पड़ा। उनमें सभी गुण मौजूद थे। पैगंबर, दार्शनिक, राजयोगी, गृहस्थ, त्यागी, धर्मसुधारक, कवि, संगीतज्ञ, देशभक्त, विश्वबंधु आदि सभी गुण जैसे एक व्यक्ति में सिमटकर आ गए थे। उनकी रचना जपुजी का सिक्खों के लिए वही महत्त्व है जो हिंदुओं के लिए गीता का है।

रचनाएँ और शिक्षाएँ

श्री गुरु-ग्रन्थ साहब में उनकी रचनाएँ महला 1 के नाम से संकलित हैं। गुरु नानक की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान, सत्य, कर्त्ता, निर्भय, निर्वर, अयोनि, स्वयंभू है। वह सर्वत्र व्याप्त है। मूर्ति-पूजा आदि निरर्थक है। बाह्य साधनों से उसे प्राप्त नहीं किया जा सकता। आन्तरिक साधना ही उसकी प्राप्ति का एक मात्र उपाय है।

ट्रेनिंग के साथ मिलता है 2 लाख रुपये तक का लोन, किन्हें मिलता है इस स्कीम का फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमारे देश की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 1 फरवरी 2023 में पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की गई थी। इस योजना का उद्देश्य देश के कारीगरों को प्रोत्साहन देना है। इसके साथ ही उन्हें रोजगार प्रदान भी करना है।

योजना की वेबसाइट की मानें तो ये पहली ऐसी स्कीम है, जो कारीगरों के लिए खास तौर पर डिजाइन की गई है। इस स्कीम के तहत सरकार ट्रेनिंग के साथ-साथ 2 लाख रुपये तक का लोन भी देती है। स्कीम के बारे में अधिक जानने से पहले, ये देखते है कि कौन- से लोग स्कीम के लिए योग्य है या इस स्कीम का फायदा किन्हें मिल सकता है।

किन्हें मिलेगा स्कीम का फायदा- आवेदनकर्ता की उम्र 18 साल या उससे ज्यादा होना चाहिए। जिसका मतलब है कि बालिग ही स्कीम का फायदा ले सकते हैं।

वहीं आवेदनकर्ता का ये फैमली काम हो। यानी दादा या परदादा कारीगरी से जुड़े हुए हो।

परिवार में से कोई एक ही स्कीम का फायदा उठा सकता है। इस स्कीम के तहत एक परिवार में माता-पिता और बच्चों को शामिल किया गया है।

किन्हें नहीं मिलता है लाभ- योजना की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक अगर व्यक्ति बिजनेस या कारीगरी के लिए पहले से किसी स्कीम से फायदा ले रहा है। तो ऐसी स्थिति में उसे पीएम विश्वकर्मा योजना का फायदा नहीं मिलता है। इस स्कीम में केंद्रीय और राज्य दोनों को ही शामिल किया गया है।

अगर आवेदनकर्ता के परिवार में से कोई व्यक्ति सरकारी नौकरी में हो, तो उन्हें भी स्कीम का फायदा नहीं मिल पाता है।

क्या-क्या मिलते हैं फायदे- पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत आवेदनकर्ता को पहले ट्रेनिंग प्रदान की जाती है। ये ट्रेनिंग लगभग 15 दिनों की होती है। ट्रेनिंग के दौरान व्यक्ति को 500 रुपये स्टाइपेंड के रूप में दिए जाते हैं। वहीं ट्रेनिंग पूरी होते ही आप एक लाख रुपये तक के लोन के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

इसके साथ ही एक लाख रुपये का लोन का भुगतान होने के बाद 2 लाख रुपये तक लोन के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

मशीनी वर्क आने के बाद हस्तशिल्पकारों की कमाई कम हो गई है। क्योंकि मशीन के जरिए कम समय में ज्यादा से ज्यादा उत्पाद बनाया जा सकता है।

अडानी,अंबानी ने चुकाई ट्रंप के 'टैरिफ वार' की बड़ी कीमत, 2.6 लाख करोड़ रुपये स्वाहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहले एफपीआई की निकासी और फिर डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार की वजह से देश के अमीरो उद्योगपतियों की संपत्ति इस साल 2.6 लाख करोड़ रुपये घट गई। इसमें बड़ी गिरावट ट्रंप के टैरिफ प्लान के ऐलान के बाद देखने को मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले दिनों दुनिया भर के कई देशों पर टैरिफ लगा दिया था। इसके बाद भारत सहित अन्य देशों के स्टॉक मार्केट की कमर ही टूट गई। शेयर बाजार में गिरावट की वजह से मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, शिव नडार, सावित्री जिंदल, दिलीप सांघवी, अजीम प्रेमी जी नेटवर्थ घट गई। भारत के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी कुल नेटवर्थ इस साल 3.42 बिलियन डॉलर घट चुकी है। बता दें, फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को छोड़कर अन्य देशों पर लगने वाले टैरिफ को रोक दिया है।

अंबानी टॉप-10 की लिस्ट से बाहर- इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार नेटवर्थ में भारी गिरावट की वजह से मुकेश अंबानी दुनियाभर के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट से बाहर हो चुके हैं। उनकी नेटवर्थ घटकर 87.2 बिलियन डॉलर हो गई है। वो अब 17वें पायदान पर आ चुके हैं। वहीं, गौतम अडानी की नेटवर्थ में इस साल 6.05 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है।

SBI ने घटाई फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरें, एफडी कराने पर अब कितना मिलेगा ब्याज?

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एफडी पर मिलने वाले ब्याज दर रिवाइज किए हैं। बैंक की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक बैंक ने ब्याज दरें घटा दी है। एसबीआई द्वारा जारी की गई नई दरें 15 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएगी।

नई दरों के साथ एसबीआई ने पुरानी दरों की लिस्ट भी जारी की है। ताकि ग्राहक आराम से कैलकुलेट और तुलना कर सके।

क्या है एफडी की नई दरें - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने ये नई दरें 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी के लिए जारी की है। नीचे बताई गई नई दरें बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट से ली गई है।

7 से 45 दिन- अगर आप 7 से 45 दिन के लिए एसबीआई में एफडी कराते हैं, तो आपको 3.50 फीसदी रिटर्न मिल जाता है।

46 से 179 दिन- इस अवधि के लिए बैंक ने नया ब्याज दर 5.50 फीसदी तय किया है।

180 दिन से 210 दिन- अगर कोई व्यक्ति 180 दिन से लेकर 210 दिन के लिए एफडी करता है, तो उसे 6.25 फीसदी रिटर्न मिल जाएगा।

211 से 1 साल से कम- अगर 1 साल के से कम और 211 दिन तक एफडी में निवेश करते हैं, तो 6.50 फीसदी ब्याज दर ऑफर किया जाता है।

1 साल और 2 साल से कम- 1 साल की एफडी या 2 साल से कम पैसे एफडी में निवेश करने पर 6.90 फीसदी रिटर्न मिलता है। बैंक ने इस अवधि में 0.10 फीसदी रिटर्न कम किया है।

3 से 5 साल - इस अवधि के तहत 6.75 फीसदी रिटर्न मिल जाएगा।

5 से 10 साल- 5 से 10 साल निवेश करने पर एसबीआई द्वारा 6.50 फीसदी रिटर्न ऑफर किया जाता है। वहीं सीनियर सिटीजन को एफडी पर 0.50 फीसदी रिटर्न ज्यादा दिया जाता है। इस लिस्ट की मानें तो 1 से 2 साल और 2 से 3 साल वाली एफडी में 0.10 फीसदी ब्याज दर घटाई गई है।

एसआईपी/सआईपी किसमें मिलता है निवेशकों को ज्यादा फायदा? क्या है इनमे अंतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए सबसे आसान तरीका है। इसके जरिए आप किस्तों में पैसा इनडायरेक्टली शेयर बाजार में निवेश कर सकते हैं। एसआईपी के बारे में आपने पहले भी कई बार सुना होगा।

लेकिन एसटीपी (सिस्टेमैटिक ट्रांसफर प्लान) के बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। चलिए पहले जानते हैं कि एसटीपी क्या है?

एसटीपी यानी सिस्टेमैटिक ट्रांसफर प्लान निवेश का एक जरिया है। एसटीपी के जरिए आप इक्विटी फंड से डेट फंड में पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं। एसटीपी के तहत निवेशक एक तय सीमा में एक निश्चित अमाउंट डेट फंड में ट्रांसफर कर सकते हैं।

डेट फंड में ट्रासंफर क्यो करते हैं निवेशक ? - दरअसल म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए कई तरह के ऑप्शन मिलते हैं। इनमें डेट, हाईब्रिड, इक्विटी फंड इत्यादि शामिल हैं।

इक्विटी फंड जोखिम भरे होते हैं, जिसकी वजह से निवेशक इक्विटी फंड से दूसरे फंड की तरफ बढ़ना चाहते हैं। वहीं डेट फंड, इक्विटी फंड के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं। डेट फंड के जरिए आप एक तरह से पैसा कंपनी को उधार देते हैं।

जानें आयुर्वेद के संरक्षण और आधुनिकीकरण में पतंजलि की क्या भूमिका है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयुर्वेद भारत की एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जो हजारों सालों से चली आ रही है। लेकिन समय के साथ एलोपैथी और नई दवाइयों के कारण आयुर्वेद का महत्व कुछ कम हो गया था। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण द्वारा शुरू किए गए पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने आयुर्वेद को दोबारा पॉपुलर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। पतंजलि ने आयुर्वेद को लेटेस्ट साइंटिफिक तरीकों से विकसित किया और इसे आम लोगों के लिए आसान और किफायती बना दिया।

आयुर्वेद का संरक्षण- पतंजलि ने पुराने आयुर्वेदिक ग्रंथों में लिखी दवाओं और जड़ी-बूटियों को फिर से लोगों तक पहुंचाने का जिम्मा उठाया। बता दें कि आयुर्वेद की खासियत है कि इसमें जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक चीजों से इलाज किया जाता है। इसी तर्ज पर पतंजलि ने आयुर्वेदिक दवाएं, जूस, तेल, स्किन केयर प्रोडक्ट, टूथपेस्ट, शैंपू और कई अन्य उत्पाद बाजार में उतारे जिससे लोगों के लिए आयुर्वेदिक सामान का उपयोग आसान हो जाए।

आधुनिक तकनीक के साथ आयुर्वेद को जोड़ना- पहले लोग सोचते थे कि आयुर्वेद सिर्फ घरेलू नुस्खों तक सीमित है, लेकिन पतंजलि ने इसे वैज्ञानिक तरीके से पेश कर सबका विश्वास बना दिया। पतंजलि की आयुर्वेदिक दवाओं को लेटेस्ट मशीनों से बड़े स्तर पर बनाया जाता है ताकि वो हर किसी को आसानी से मिल सकें।

आयुर्वेद को आम लोगों तक पहुंचाने का बेड़ा उठाया - पहले आयुर्वेदिक दवाएं सिर्फ विशेषज्ञ वैद्यों के पास मिलती थीं, लेकिन पतंजलि ने इसे सुपरमार्केट और किराना दुकानों तक पहुंचा दिया। अब लोग आयुर्वेदिक टूथपेस्ट, साबुन, शहद, आंवला जूस और घी जैसी चीजों को अपने रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके साथ ही पतंजलि ने अपने प्रोडक्ट्स को सस्ते दामों पर बेचा, जिससे आम लोग भी इन्हें खरीद सकें। कंपनी के स्वदेशी आंदोलन ने भी इसे और भी लोकप्रिय बना दिया।

भविष्य में पतंजलि और आयुर्वेद- आने वाले समय में आयुर्वेद को और बेहतर बनाने और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ जोड़ने की जरूरत है। इसके लिए पतंजलि को बेहतर रिसर्च और ग्लोबल हेल्थ संगठनों के साथ काम करने की जरूरत है। हालांकि पतंजलि ने आयुर्वेद को दोबारा जीवित कर दिया है और इसे घर-घर तक पहुंचा भी दिया है मगर यह सिर्फ एक ब्रांड नहीं बल्कि एक स्वास्थ्य आंदोलन बन चुका है।

कब बंद करवा सकते हैं क्रेडिट कार्ड? इससे जुड़ी सभी बातें

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड जैसे सुविधाएं हमारे लिए जरूरत बन चुकी है। क्रेडिट के जरिए हम उधार में चीजें खरीद सकते हैं। जिसका भुगतान आप महीने के अंत में करते हैं। हालांकि किन्हीं कारणों के चलते हमें क्रेडिट कार्ड बंद करने की इच्छा जागरूक होती है।

क्रेडिट बंद करते समय हमें कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। क्योंकि अगर सही फैसला नहीं लिया गया तो इससे नुकसान भी हो सकता है। इसलिए अगर आप नुकसान से बचना चाहते हैं, तो नीचे बताए गए टिप्स या सुझाव को ध्यान में रखें।

कब-कब क्लोज करना चाहिए क्लोज- अगर कोई यूजर लिमिट से ज्यादा क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं या आपका खर्चा ज्यादा बढ़ रहा है। तो क्रेडिट कार्ड क्लोज कर देना चाहिए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

प्रदेश में बदलेगा IAS पोस्टिंग का नियम, गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को नहीं मिलेगी पात्रता

भोपाल। प्रदेश के गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आइईएस बनने का मौका अब नहीं दिया जाएगा। लगातार नौवें साल इनके नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक के लिए प्रस्तावित नहीं करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वर्ष 2024 के लिए जिन आठ पदों के लिए नाम भेजने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है, वे सभी राज्य प्रशासनिक सेवा के हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 के आठ और 2024 के आठ पदों के लिए एक साथ विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक मई-जून में हो सकती है। आईएएस संवर्ग में पदोन्नति के लिए नियमानुसार गैर प्रशासनिक सेवा के लिए 15 प्रतिशत तक पद रखे जा सकते हैं। यह राज्य के ऊपर रहता है कि वह इन्हें पद देना चाहता है या नहीं।

2016 में तत्कालीन मुख्य सचिव एंटोनी डिसा के समय चार पद गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को दिए गए थे। इसके बाद से इस संवर्ग को अवसर नहीं मिला। ऐसा नहीं है कि इसमें अधिकारी पात्रता नहीं रखते हैं लेकिन सरकार राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पर्याप्त उपलब्धता को आधार बनाकर अवसर नहीं दे रही है। जबकि, इसके लिए कई बार मुख्यमंत्री से लेकर मुख्य सचिव को ज्ञापन दिए जा चुके हैं। इस बार भी जो प्रस्ताव भारत सरकार और संघ लोक सेवा आयोग को भेजा जा रहा है, उसमें भी केवल राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के नाम रहेंगे।

आठ पदों के लिए 24 अधिकारियों के नाम संघ लोक सेवा आयोग को भेजे जाएंगे। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने कमिश्नरों से रिपोर्ट बुलवाई है।

इसके साथ ही जांच एजेंसियों से भी पूछा गया है कि जो नाम प्रस्तावित किए जा रहे हैं, उनके विरुद्ध जांच तो नहीं चल रही है। संघ लोक सेवा आयोग में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक मई-जून में हो सकती है।

खंडवा में भाजपा नेता के पुत्र की शादी में नाचते समय मंच पर चली गोली

खंडवा। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष फाजिल पटेल के पुत्र की शादी में गोली चलने से एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना से शादी समारोह में हड़कंप मच गया। घटना के 24 घंटे बाद भी अभी तक कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। जावर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पेठिया रैयत में रविवार देर रात करीब 2:30 बजे शादी समारोह में मंच पर नाचने के दौरान लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली चलने पर यह हादसा हुआ।

गोली जिलाध्यक्ष पटेल के रिश्तेदार पूर्व उपसरपंच फिरोज पुत्र याकूब खान के पैर में लगी है। घायल की हालत खतरे से बाहर है। रात में जिला अस्पताल लाने के बाद घायल का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है घटना की सूचना मिलते ही जावर थाना प्रभारी जीपी वर्मा और डीएसपी अनिल चौहान द्वारा घटना स्थल का जायजा और घायल से चर्चा कर जांच की जा रही है। मामला गोली चलने का होने से नायब तहसीलदार द्वारा भी घायल के बयान दर्ज किए गए हैं। घटना के 24 घंटे बाद भी पुलिस द्वारा कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है। मंच पर सभी लोग नाच रहे थे

बताया जाता है कि घायल द्वारा इस मामले में किसी प्रकार की कार्रवाई से इंकार किया गया है। जानकारों का मानना है कि गोली लाइसेंस बंदूक से चलने पर एक व्यक्ति को लगी है, इसलिए यह मामला लापरवाही और लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन का मामला है। घायल पूर्व सरपंच फिरोज खान ने बताया कि वह ग्राम मदनी से अपने रिश्तेदार फाजिल पटेल के पुत्र के विवाह में आया था यहां रात दो से ढाई बजे के बीच मंच पर सभी लोग नाच रहे थे। इस दौरान मैं भी मंच पर मौजूद था। नाचते समय इंदौर से आए मेहमान रिंकू ठक्कर व साथी द्वारा एक- दो हर्ष फायर के बाद अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर को कमर में खोस ली थी। इसी दौरान अचानक गोली चलने पर यह घटना हो गई।

संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को बड़े उत्साह के साथ मनाया

भोपाल। मध्य प्रदेश में अपना दल (एस) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (युवा मंच) डॉ. अखिलेश पटेल के मार्गदर्शन तथा राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम के नेतृत्व में प्रदेश भर के सभी जिला अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही उनके योगदान को स्मरण करते हुए आमजन के बीच फल वितरित किए गए।

बाबा साहब डॉ. आंबेडकर ने दलितों, शोषितों, वंचितों, गरीबों और पिछड़े वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने ÷शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो÷ का अमर मंत्र दिया, जो आज भी सामाजिक न्याय की राह दिखाता है। उसी विचारधारा को आत्मसात करते हुए अपना दल (एस), मध्य प्रदेश में पिछड़े वर्ग के अधिकारों और उत्थान हेतु पूरी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर डॉ. अखिलेश पटेल ने कहा, ÷डॉ आंबेडकर ने भारतीय समाज को एक नई दिशा दी, और उनके द्वारा महिला एवं पुरुषों को बराबरी का दर्जा तथा एकमताधिकार देने का अधिकार दिलाना, आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

ग्वालियर में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा युवक दौड़ते-दौड़ते गिरा, थम गईं सांसें

ग्वालियर। युवाओं में कार्डियक अरेस्ट के कारण अचानक मौत के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। चलते-चलते या दौड़ते-दौड़ते हृदय गति रुकने से असमय सांसें थम रही हैं। इस प्रकार की ताजा घटना ग्वालियर की है।

कांचमिल निवासी मनीष आर्य पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था। उसका शव शनिवार सुबह तानसेन रोड स्थित गर्डर वाली पुलिया के नीचे मिला। परिजन ने बताया कि मनीष रोज सुबह दौड़ने के लिए जाता था। शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मनीष की मौत की वजह आर्टरी ब्लाक (धमनियां अवरुद्ध) होना बताया गया है। विशेषज्ञ बताते हैं कि तेज गर्मी और अधिक सर्दी में इस तरह की घटनाएं हो जाती हैं। अगर सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ़, घबराहट होती है, तो सावधान हो जाएं।

सीपीआर देकर बचाई जा सकती है जान

कार्डियोलाजिस्ट डा.राम रावत कहते हैं कि भागते-भागते या कोई भी अन्य शारीरिक गतिविधि करते हुए इस तरह से मौत होने की वजह सडन कार्डियक अरेस्ट है। अमूमन लोग लक्षणों को नजरअंदाज करते हैं।

कथक अश्वमेध- 2 नृत्य साधना के महायज्ञ का भोपाल बन रहा साक्षी

भोपाल, 14 अप्रैल, 2025ः जब परंपरा, साधना और संस्कृति एक ही मंच पर एकत्र हों, तब वह आयोजन सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव का महायज्ञ बन जाता है। ऐसा ही अनुभव लेकर आ रहा है %कथक अश्वमेध- सीज़न 2, जिसका भोपाल साक्षी बन रहा है। 15 से 17 अप्रैल, 2025 तक शहीद भवन, अरेरा हिल्स में आयोजित हो रहा कथक अश्वमेध- 2 नृत्य की दुनिया के उन तपस्वियों को समर्पित है, जिन्होंने अपनी कला को साधना बना दिया।

कथक अश्वमेध- 2 की शुरुआत एक ऑनलाइन ऑडिशन प्रक्रिया से हुई थी, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों और अमेरिका, यूके सहित कई देशों से करीब 800 कलाकारों ने भाग लिया। नृत्य की इस वैश्विक सहभागिता से चयनित 30 प्रतिभागियों को अब भोपाल बुलाया गया है, जहाँ वे मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। यह तीन दिवसीय आयोजन हर दिन एक नई ऊर्जा, नया उद्देश्य और नया रंग लिए होगा। पहले दिन सेमीफाइनल राउंड होगा, जिसमें चयनित कलाकार अपनी साधना और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। दूसरे दिन आयोजित होने वाले ग्रैंड फिनाले में निर्णायक मंडल के समक्ष उनकी प्रस्तुतियों का मूल्यांकन होगा।

इसके बाद 17 अप्रैल को समापन समारोह में श्रेष्ठ तीन कलाकारों को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इस दिन मंच पर कई वरिष्ठ गुरुजनों और संस्कृति सेवियों को भी उनकी सेवा के लिए आदरपूर्वक सम्मानित किया जाएगा।

कथक अश्वमेध की खासियत यह है कि यह मंच किसी भी आयु वर्ग के कथक कलाकारों के लिए खुला है, जिससे यह अनुभव और उत्साह दोनों का संगम बनता है। इस मंच की सबसे बड़ी शक्ति है इसकी गुरु-शिष्य परंपरा, जिसमें कला सिर्फ सीखी नहीं जाती, वह संस्कार बन जाती है। इस आयोजन ने युवा प्रतिभाओं को न सिर्फ विशेष पहचान दी है, बल्कि उन्हें मंच देकर प्रेरित भी किया है कि वे अपने देश की सांस्कृतिक धरोहर को आगे ले जाएँ। आयोजन के संयोजक श्री समीर नाफडे कहते हैं, कथक ऐसी संस्कृति है, जो हजारों वर्षों से हम सबकी पहचान है। ऐसे में, हमारा उद्देश्य सिर्फ एक प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि एक ऐसी परंपरा को सशक्त करना है, जो भारत की आत्मा में रची-बसी है।

कथक अश्वमेध कलाकारों को मंच ही नहीं, सम्मान और आत्मीयता भी देता है। निर्झर कला संस्थान द्वारा आयोजित इस महायज्ञ में, सभी कला प्रेमियों, विद्यार्थियों, नृत्य गुरुजनों और भोपालवासियों का स्वागत है।इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए निर्झर कला संस्थान, जो डॉ. नाफडे द्वारा 1982 में स्थापित किया गया था, आज इस आयोजन का दायित्व संभाल रहा है।

यह आयोजन पं. कुंदनलाल गंगानी जी जैसे वरिष्ठ गुरुजनों की स्मृति को भी नमन करता है, जिन्होंने कथक की आत्मा को गहराई से समझते हुए अनेक शिष्यों को दिशा दी। यही कारण है कि यह आयोजन सिर्फ प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक महायज्ञ है, जिसमें हर प्रस्तुति एक आहुति के समान होती है।

शिक्षा में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से 32 करोड लोगों का भविष्य जुड़ा है

जब शिक्षा के लिए वोट दिया जाने लगेगा तो शिक्षा का सिस्टम बदलेगा - सिसौदिया

इंदौर। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से 32 करोड़ लोगों का भविष्य जुड़ा हुआ है। हमारे देश में जब शिक्षा के लिए वोट दिया जाने लगेगा तो शिक्षा का सिस्टम बदल जाएगा।

सिसोदिया आज यहां स्टेटस क्लब म प्र द्वारा आयोजित तीन दिवसीय भारतीय पत्रकारिता महोत्सव के दूसरे दिन एआई और शिक्षा विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एआई का नया वर्जन आता है तो वह पुराने वर्जन को हटा देता है। ह्यूमन इंटेलिजेंस को कोई नहीं हटा सकता है। इस समय हमारे देश में इस बात पर चर्चा हो रही है कि 150 साल पहले क्या हुआ था और हमें अब क्या करना चाहिए। शिक्षा की शुरुआत हमेशा मां के द्वारा बच्चों को दिए जाने वाले ज्ञान के साथ होती है। हमारे देश में स्कूलों में जब शिक्षा दी जाने लगी तो बताया गया कि हमें अपने हाथ का इस्तेमाल किस तरह करना चाहिए। जब हाथ का इस्तेमाल करने के लिए मशीन आ गई तो फिर बताए जाने लगा कि दिमाग का इस्तेमाल किस तरह किया जाना चाहिए। इसके लिए जब कंप्यूटर आ गया तो फिर बताए जाने लगा कि बुद्धि का इस्तेमाल किस तरह किया जाना चाहिए। इसके लिए अब एआई आ गया।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में अब यह प्रश्न उठता है कि शिक्षा कैसे हो शिक्षा में क्या किया जाए और वह क्यों किया जाए। इस समय हमारे देश में स्कूलों में पढ़ने वाले 30 करोड़ विद्यार्थी हैं और उन्हें पढ़ने वाले 2 करोड़ शिक्षक हैं। शिक्षा का भविष्य इन सभी के समक्ष चुनौती बन गया है। देश में मौजूद स्कूलों में से 48त्न स्कूल ऐसे हैं जिनमें की बिजली नहीं है। शेष बचे 52त्न में से 44त्न स्कूलों में कंप्यूटर नहीं है और 42त्न स्कूलों में इंटरनेट नहीं है। जिस स्कूल में बिजली है तो वहां पर इंटरनेट नहीं है। अभी भी 42त्न स्कूलों में बच्चे फर्श पर बैठकर पढ़ते हैं। भविष्य का भारत इन स्कूलों में तैयार हो रहा है।

सिसोदिया ने कहा कि साउथ कोरिया ने 2025 में अपने स्कूल के पूरे पाठ्यक्रम को री डिजाइन कर लिया है, उसे एआई पर आधारित कर दिया है। फिनलैंड चीन सहित कई देश ऐसे हैं जिन्होंने अपने पाठ्यक्रम को बदल दिया है। एक समय पर हमारे देश में 99त्न व्यक्तियों को अलग-अलग कारण से शिक्षा नहीं दी जाती थी। अब जब शिक्षा दी जा रही है तो 12वीं कक्षा में कंप्यूटर शिक्षा के नाम पर बच्चों को कंप्यूटर लैब में ले जाकर टाइपिंग सिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि हम बच्चों को नॉलेज देते हैं लेकिन उनका माइंड सेट नहीं देते हैं। यही कारण है कि बच्चा जब 12वीं कक्षा पास कर लेता है तो फिर वह अपनी मार्कशीट को दिखाकर सरकारी नौकरी मांगता है पिछले दिनों संसद में सरकार के द्वारा यह जानकारी दी गई है कि पिछले 10 सालों में 23 करोड लोगों ने सरकारी नौकरी के लिए आवेदन दिया है इसमें से केवल 7 लाख लोगों को नौकरी मिल सकी है। हमने दिल्ली में 5 साल में और पंजाब में 3 साल में हर स्कूल तक बच्चों के बैठने के लिए डेस्क, पीने के लिए पानी और टॉयलेट की व्यवस्था की है। अब इस बात पर फोकस किया जाना चाहिए कि एक मानव दूसरे मानव के साथ कैसे जीएगा। शिक्षा में ऐसा परिवर्तन तभी आ सकेगा जब देश की जनता शिक्षा के आधार पर अपना वोट देगी।

राधिका पैलेस-तुलसी नगर नाले की चौड़ाई घटाने पर रहवासियों में आक्रोश

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) वार्ड क्रमांक 37 में तुलसी नगर से एडवांस एकेडमी तक मास्टर प्लान के तहत नई सड़क का निर्माण कर रहा है। इस प्रक्रिया में राधिका पैलेस के खुले नाले को छोटी नाली में बदल दिया गया है। पहले 10-15 फीट चौड़ा यह नाला अब मात्र 4-5 फीट की नाली में सिमट गया है। स्थानीय निवासियों ने इस बदलाव पर कड़ा विरोध दर्ज किया है। उनका कहना है कि नाले की चौड़ाई कम करने से बारिश के मौसम में आसपास की कॉलोनियों में जलभराव की गंभीर समस्या हो सकती है। यह नाला स्कीम नंबर 134 से बहकर आता है। सड़क निर्माण के लिए आईडीए ने नाले के बीच में रिटेनिंग वॉल बनाकर इसका कुछ हिस्सा भर दिया है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सड़क की दूसरी ओर स्थित दुकानों को बचाने के लिए नाले को एक तरफ शिफ्ट किया गया है। यह कदम राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के नियमों का उल्लंघन करता है।

सप्तऋषि राष्ट्रीय सम्मान समारोह के साथ होगा भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का समापन

इंदौर। स्टेट प्रेस क्लब म.प्र. द्वारा आयोजित तीन दिवसीय भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का समापन सोमवार 14 अप्रैल 2025 को होगा। सीजन 17 में आयोजित महोत्सव में एआई और परिवर्तन 2047 पर चर्चाओं के अनेक सत्र आयोजित किए गए। 72 घण्टे के इस विशिष्ठ आयोजन में प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया के 100 से अधिक पत्रकारों ने भाग लिया। मूर्धन्य सम्पादक श्री राहुल बारपुते, श्री राजेन्द्र माथुर, श्री प्रभाष जोशी, श्री माणिकचंद वाजपेयी, श्री रमेशचंद्र अग्रवाल, श्री अभय छजलानी एवं डॉ. वेद प्रताप वैदिक की स्मृति में आयोजित इस पत्रकारिता पर्व में छ- वैचारिक सत्र और तीन मास्टर क्लास का आयोजन किया गया। सोमवार 14 अप्रैल को सायं 7 बजे जाल सभागृह में सप्तऋषि राष्ट्रीय सम्मान एवं समापन समारोह के अंतर्गत राष्ट्रीय पटल पर पैनी पत्रकारिता करने वाले मध्यप्रदेश के मीडियाकर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह के अतिथि होंगे प.पू. उत्तम स्वामी जी महाराज एवं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मो. अजहरुद्दीन। सम्मानित होने वालों की सूची में एनडीटीवी के अखिलेश शर्मा, स्वदेश के राकेश शुक्ला, अमर उजाला के प्रणय उपाध्याय, राजस्थान पत्रिका के अभिषेक तिवारी, डीडी न्यूज के प्रखर श्रीवास्तव, न्यूज नेशन के डॉ. कपिल शर्मा, डीएवीपी के दुर्गानाथ स्वर्णकार, लोकमत समाचार के रवीन्द्र अनंत भजनी, बीएनएच के प्रमोद राघवन, न्यूज 24 एमपीसीजी के अभिलाष मिश्रा, डीडी न्यूज के सुश्री संध्या शर्मा शामिल है। वरिष्ठ पत्रकार महेश श्रीवास्तव को श्रीनरेश मेहता स्मृति लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव के अंतर्गत मध्यप्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर केंद्रित छायाचित्र प्रदर्शनी एवं एआई पर एकाग्र चित्रकला प्रदर्शनी छवि नए युग की' का आयोजन भी किया गया।

इंदौर आबकारी विभाग की अवैध मदिरा के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के आदेश के पालन में इंदौर आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी, कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती प्रीति चौबे के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के अमले ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को साक्ष्य नष्ट करने का कोई मौका नहीं दिया।

बाबा साहेब आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करता मध्यप्रदेश

इंदौर। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर भारत के महान विधिवेत्ता,एक दूरदर्शी चिंतक और समाज सुधारक थे। उन्होंने एक ऐसे राज्य की कल्पना की थी जो समानता, न्याय और मूलभूत अधिकारों को हर नागरिक के लिए सुनिश्चित करे। डॉ.आंबेडकर वंचितों, शोषितों, मजदूर, किसान, पिछड़े समाज और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित थे, उनका यह आग्रह देश के संविधान में भी दिखाई पड़ता है। डॉ. आंबेडकर के चिंतन और संघर्ष का मूल उद्देश्य सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के साथ सभी का खुशहाल जीवन था। मध्यप्रदेश में बड़ी आबादी अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डॉ. आंबेडकर की संकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार वंचित और गरीब वर्गों के सर्वांगीण विकास और खुशहाल जीवन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव संविधान दिवस (26 नवम्बर) पर मध्यप्रदेश में निवेश लाने के लिए अपने यूके-जर्मनी दौरे के बीच लंदन में उस स्थान पर पहुंचे जहां 1920 के दशक में डॉ. आंबेडकर ने निवास किया था। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया। दरअसल भारतीय संविधान की प्रस्तावना एक उद्घोषणा है, जो संविधान की मूल भावना, उद्देश्यों और आदर्शों को दर्शाती है। यह संविधान के उद्देश्यों की आधारशिला है। प्रस्तावना में समस्त नागरिकों के लिये सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का संकल्प दिखाया गया है और प्रदेश उन संकल्पों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है। मध्यप्रदेश में डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू में हुआ था और राज्य उनके विचारों को साकार करने वाली भूमि के रूप में पहचान बना रहा है।

गेहूं के सुरक्षित रखरखाव को लेकर लापरवाही पायी जाने पर उपार्जन प्रभारी को किया निलंबित

इंदौर। इंदौर संभाग के धार जिले में प्राथमिक कृषि साख समिति में गेहूं के सुरक्षित रखरखाव को लेकर लापरवाही पायी जाने पर उपार्जन प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्रा ने उपार्जन केंद्रों पर तत्काल निरीक्षण और सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देशों के पालन में लापरवाही बरतने पर बखतगढ़ में प्राथमिक कृषि साख समिति के उपार्जन प्रभारी को निलम्बित कर दिया गया है। शनिवार को हुई बारिश में प्राथमिक कृषि साख समिति बखतगढ़ में खुले में रखे गए गेहूं के कट्टे भीग गए। संबंधित समिति द्वारा कट्टों को तिरपाल से ढंकने की व्यवस्था नहीं की गई थी। सहकारिता उपायुक्त वर्षा श्रीवास ने बताया कि आंधी के कारण तिरपाल उड़ गई थी और गेहूं को अगले दिन धूप में सुखा लिया गया है और किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। लापरवाही के चलते उपार्जन प्रभारी को निलंबित किया गया है।

उल्लेखनीय है की बारिश की आशंका के मद्देनज़र कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने कल ही सहकारिता, खाद्य विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया था कि किसी भी हालत में गेहूं नहीं भीगना चाहिए। सभी उपार्जन केंद्रों पर तत्काल निरीक्षण और सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया था। कलेक्टर ने निर्देश दिए थे कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भगवान महावीर का अहिंसा परमो धर्म का संदेश सदैव रहेगा प्रासंगिक : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान महावीर का अहिंसा परमो धर्म का संदेश सभ्यता के प्रारम्भ से ही प्रासंगिक रहा है और भविष्य में भी रहेगा। महावीर स्वामी की शिक्षाएं हमें शांति, सद्भाव और आपसी समझ की राह दिखाती हैं। हम ÷जियो और जीने दो÷ सिर्फ कहने के लिए नहीं कहते इसे आत्मसात कर जीवन में भी उतारते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैन कल्याण बोर्ड की घोषणा राज्य सरकार द्वारा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस के शपथ विधि समारोह को मुख्यमंत्री निवास भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जैन समाज जियो और जीने दो के सिद्धांत का जिस प्रतिबद्धता से पालन करता है वह अनुकरणीय है। सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह जैसे जीवन के मूल सिद्धांतों के साथ जीवन जीने की प्रेरणा हमें महावीर स्वामी और शेष तीर्थंकरों के माध्यम से प्राप्त होती है। जीव मात्र पर दया के संकल्प का जैन समाज द्वारा अनुसरण सराहनीय है। जैन धर्म हमें अनुशासित रहकर सेवा करने की सीख देता है।

इंदौर जिले के सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली होगी लागू

इंदौर। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर इंदौर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जा रही है। इसके लिये व्यापक स्तर पर तैयारियां जारी हैं। निर्देश दिए गए हैं कि सभी औपचारिकताएं 15 अप्रैल तक हर हाल में पूर्ण कर ली जायें। इस संबंध में आज यहां अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा द्वारा बैठक ली गई।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी
संपादकीय सलाहकार

श्री संजय व्यास
संपादकीय सलाहकार डिजिटल

सुश्री परम चैतन्य
कार्यकारी संपादक

डॉ. चमन सिंह राजौरा
उप संपादक

श्री आशीष उपाध्याय
विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार

श्री भुवनेश भार्गव
विशेष संवाददाता

श्री शिरीष राव मोरे
ब्यूरो प्रमुख

श्री नरेन्द्र राठौर
संवाददाता

श्री धर्मेंद्र राठौर
संवाददाता

श्री कौशल कांतिदास वैरागी
विशेष प्रतिनिधि

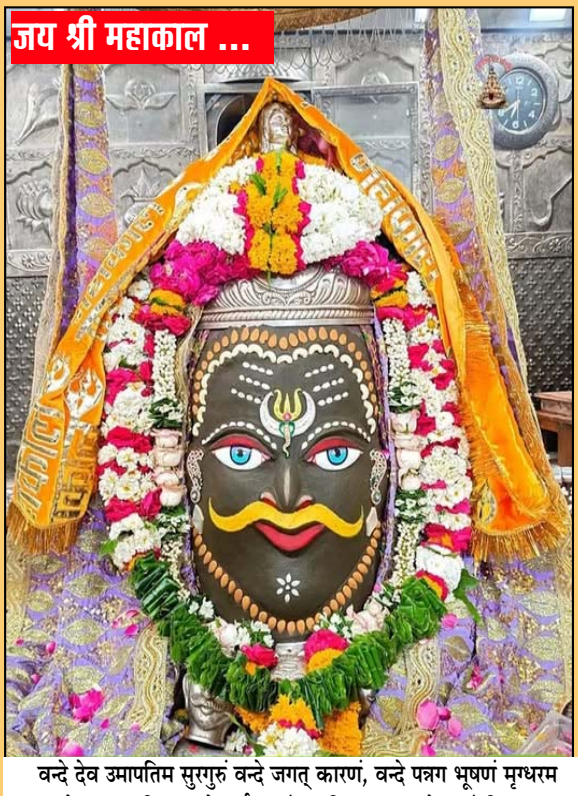

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

नवागत सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने उज्जैन स्थित मंदिरों एवं श्री महाकाल भगवान के दर्शन कर मेला अधिकारी का प्रभार ग्रहण किया

उज्जैन । नवागत सिंहस्थ मेला, मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह सोमवार शाम उज्जैन पहुंचे। उज्जैन पहुंचकर श्री सिंह ने सर्वप्रथम श्री चिंतामण गणेश मंदिर में दर्शन किए।इंदौर कलेक्टर श्री सिंह ने श्री कालभैरव मंदिर,श्री हरसिद्धि मंदिर के भी दर्शन किए। इसके बाद श्री महाकाल मंदिर पहुंचकर पूजन किया और संध्या आरती में सम्मिलित हुए। इसके पश्चात इंदौर कलेक्टर श्री सिंह ने सिंहस्थ मेला कार्यालय पहुंचकर मेला अधिकारी का प्रभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह को शासन के नवीन आदेशानुसार सिंहस्थ मेला अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

प्रभार ग्रहण कर श्री सिंह ने कहा कि सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे विकास कार्यों को समयावधि और गुणवत्ता पूर्वक सम्पन्न कराना पहली प्राथमिकता है। इसके पश्चात मेला अधिकारी श्री सिंह ने संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की।इसके पश्चात मेला अधिकारी श्री सिंह ने सिंहस्थ अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

श्री रविदास सेवक संघ ने बाबा साहब के जन्म उत्सव पर शरबत वितरण कर सेवा करने वाले लोगों का किया सम्मान

उज्जैन। फ्रीगंज स्थित टॉवर चौराहे पर श्री रविदास सेवक संघ जिला उज्जैन द्वारा बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जन्म जयंती के अवसर पर शरबत वितरण एवम सम्मान समारोह का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जितेंद्र सुनहरे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम शुरुआत करने से पहले बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर कि प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण कर जन्म जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान समस्त कार्यकारिणी, वरिष्ठ जन एव युवा टीम के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। जन्म जयंती के उपलक्ष में संस्था द्वारा मंच लगाकर सभी अंबेडकरवादी संगठन, सामाजिक संगठन राजनीतिक संगठनों का मंच से स्वागत किया ओर शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर संस्था ने गर्मी को देखते हुए शरबत का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान मंच से संबोधित करते हुए

रविदास सेवक संघ जिला अध्यक्ष मुकेश सूर्यवंशी खलीफा ने कहां की विशेष रूप से भारत तथा सम्पूर्ण विश्व के अम्बेडकरवादी बौद्धों द्वारा जीवन भर समानता के लिए संघर्ष करने वाले आंबेडकर को समानता और ज्ञान के प्रतीक माना जाता है। आंबेडकर को विश्व भर में उनके मानवाधिकार आंदोलन संविधान निर्माता और उनकी प्रकांड विद्वता के लिए जाने जाते हैं और यह दिवस उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। कार्यक्रम में रविदास सेवक संघ जिला अध्यक्ष मुकेश सूर्यवंशी खलीफा, मनोहर लाल सूर्यवंशी संस्था के सचिव राकेश सूर्यवंशी ग्यारसी लाल सूर्यवंशी, फूलचंद सूर्यवंशी संस्था पूर्व अध्यक्ष, मुकेश सुनहरे, राजेश सूर्यवंशी, विक्रम नगर संस्था के उपाध्यक्ष संजू पिपरिया आदि।

अंबेडकर जयंति कि पूर्व संध्या पर सांसद अनिल फिरोजिया ने अंबेडकर नगर से हरी झण्डी दिखाकर किया नई एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना

उज्जैन। बाबा महाकाल के भक्तों के साथ भारत रतन बाबा साहब अंबेडकर के अनुयायों को मिली अंबेडकर नगर नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन की सोगता। भारत रतन बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी कि 135 वी जंयति की पूर्व संध्या पर अंबेडकर नगर में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में उज्जैन सांसद श्री अनिल जी फिरोजिया द्वारा नई ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। दिल्ली, राजस्थान और मध्यप्रदेश के पर्यटन/दर्शनीय स्थलों को बढ़ावा देने एवं यात्री सुविधाओं तथा सुगम आगमन के उद्देश्य के लेकर सांसद श्री अनिल फिरोजिया के प्रयास से रेलवे द्वारा नियमित रेल सेवा के रूप में टेन नंबर 20155/20156 डॉ. अम्बेडकर नगर - नई दिल्ली - डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया है।

अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

उज्जैन। बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश सोनी नेतृत्व में टावर चौक स्थित अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया वह इस दौरान पूर्व विधायक डॉक्टर बटुक शंकर जोशी पूर्व पार्षद कैलाश बिसेन अनुसूचित जाति अध्यक्ष राकेश गिरजे एडवोकेट तबरेज खान आनंद मीणा विजय यादव सहित कई कांग्रेसी मौजूद थे।

डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जन्म जयंती पर निकली विशाल धम्म पद यात्रा

उज्जैन। भारतीय बौद्ध महासभा उज्जैन द्वारा विश्व रत्न बौध्वी सत्व संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जन्म जयंती के अवसर पर विशाल धम्म पद यात्रा निकाली गई। टॉवर चौक पर बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष सांसद अनिल फिरोजिया द्वारा केक काटकर सभी को वितरित किया गया।

अशोक बुद्ध विहार निर्माण समिति के अध्यक्ष मनोज नागदेवे एवं समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष लोखंडे ने बताया कि भारतीय बौद्ध महासभा अध्यक्ष रामदास जवादे की अध्यक्षता में 14 अप्रैल को प्रातः 8 बजे डीजे, बैंड बाजे के साथ अशोक बुद्ध विहार से विशाल धम्म पद यात्रा निकाली गई। जो अशोक बुद्ध विहार से गणेशपुरा, लक्ष्मी नगर, शहीद पार्क होते हुए टॉवर चौक पहुंची। जहां डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बुद्ध वंदना के पश्चात अशोक बुद्ध विहार में रैली का समापन हुआ। बौद्ध उपासक/उपासिकाए सफेद वस्त्र धारण कर शामिल हुए। भारतीय बौद्ध महासभा उज्जैन एवं प्रबुद्ध महिला संगठन ने बाबा साहब के विचारों को जन जन तक पहुंचाने और उनके सपनों का देश बनाने के प्रयासों के लिए भारतीय जनता पार्टी का आभार व्यक्त किया।

अजाक्स संगठन ने संविधान धर्म जागरण रथ यात्रा निकाल कर बाबा साहब के संविधान की शपथ दिलाई

14 दिनों तक यात्रा निकालकर घर-घर पहुंचा बाबा साहब का संदेश

उज्जैन। बाबा साहब के जन्म महोत्सव को लेकर अजाक्स संगठन द्वारा 1 अप्रैल से लेकर 14 अप्रैल तक संविधान धर्म जागरण रथ यात्रा निकाली गई और डॉ भीमराव अंबेडकर की 134वी जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस यात्रा के माध्यम से 14 दिनों तक जिले के सभी गांव एवं शहरों में जाकर अजाक्स संगठन ने बाबा साहब का संदेश पहुंचा। जिला अध्यक्ष डॉ आर एल परमार एवम संभागीय अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि अनुसूचित जाति, जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ अजाक्स के तत्वावधान में संविधान निर्माता डॉ. बीआर आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर 13 अप्रैल को रात को टावर चौक पर एक शाम भीम के नाम भारतीय संविधान धर्मसभा एवं अभा कवि सम्मेलन का आयोजन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद उमेश नाथ जी महाराज उपस्थित हुए। सोमवार सुबह बाबा साहब के जन्म उत्सव के अवसर पर क्षीरसागर स्टेडियम से संविधान धर्म जागरण रथ यात्रा निकाली गई। जो उज्जैन के प्रमुख भागों से होती हुई यात्रा टावर पर समाप्त हुई। जहां पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर 14 दिवस रथ यात्रा का समापन किया गया। कार्यक्रम के अंत में बाबा साहब के संविधान की शपथ दिलाई गई।

यात्रा के दौरान सभी जगह पर प्रांतीय अध्यक्ष मध्यप्रदेश अजाक्स जे एन कंसोटिया साहब के निर्देश अनुसार 13 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया। संविधान धर्म 1 अप्रैल को टावर से शुरू की थी। जो लगातार उज्जैन के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर भ्रमण कर सोमवार को उज्जैन पहुंची।अजाक्स संगठन बाबा साहब का जन्मोत्सव 1 अप्रैल से 14 अप्रैल तक बाबा साहब की संविधान धर्म जागरण रथ यात्रा निकालकर मनाया गया। जिला अध्यक्ष ने कहां की रथ के माध्यम से जिले के सभी गांव एवं शहरों में जाकर रथ यात्रा निकली गई और बाबा साहब का संदेश घर-घर तक संगठन द्वारा पहुंचाने का काम किया। संविधान बचाओ, देश बचाओं अभियान को लेकर अजाक्स चला गांव की ओर, शुद्ध बनो बुद्ध बनो की भावनाओं के साथ भारत के संविधान की रक्षा के उद्देश्य को लेकर बाबा साहब अंबेडकर का भारतीय संविधान निर्माण में योगदान का स्मरण, सम्मान, पुष्पांजलि, अ.भा. कवि सम्मेलन, संविधान शपथ विधि समारोह कार्यक्रम किया गया।

उज्जैन में बना गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड,

उज्जैन। आंबापुरा स्थित प्राचीन जयवीर हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती के अवसर पर आयोजित विशेष भंडारे में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने एक साथ प्रसादी ग्रहण की। इस भंडारे को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। आयोजन का नेतृत्व समाजसेवी सुनील चावंड ने किया, जो पिछले 20 वर्षों से इस परंपरा को निभा रहे हैं।

13 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के दिन भगवान का विशेष पूजन और महाआरती के बाद भंडारे की शुरुआत हुई। श्रद्धालुओं को टेबल कुर्सी पर बैठाकर दाल, बाफले, लड्डू और कड़ी की प्रसादी परोसी गई। इस बार आयोजकों ने रिकॉर्ड बनाने के लिए गोल्डन वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम को भी आमंत्रित किया, जिसने 50 हजार लोगों को भोजन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया था।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com